स्वतन्त्रता दिवस **संदेश**

प्रिय रेलकर्मियों,

स्वतन्त्रता दिवस की 74वीं वर्षगॉठ के शुभ अवसर पर रेल विद्युतीकरण के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ। यह एक ऐसा अवसर है जब हम अपने महान देशभक्तों, शहीदों तथा आजादी की लड़ाई के नेताओं को श्रृद्वांजलि अर्पित करने के साथ–साथ, अपने कार्य–निष्पादन की समीक्षा और नये लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु अपने संकल्प को और मजबूत करते है।

हमें ज्ञात है कि पूरा विश्व कोविड–19 की महामारी से जूझ रहा है, जिसके फलस्वरुप हमारी जीवन–शैली, हमारी कार्य–शैली और यहॉ तक कि कार्य–स्थल के प्रबंधन में भी बहुत बदलाव आया है। कोविड का रोकथाम, उसके इलाज से कहीं बेहतर है। इसलिए हमें पूरी सावधानियॉ रखनी है और अपने कार्यस्थल एंव घर में कोविड से बचाव के लिए सरकार द्वारा बताये गये दिशा–निर्देशों का पूरी तरह पालन करना है। मेरा मानना है कि सशस्त्र बलों और स्वास्थ्य सेवाओं की तरह ही रेल विद्युतीकरण के कर्मचारी भी कोरोना–योद्वा हैं जो इतने कठिन समय में भी रेल विद्युतीकरण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत् है।

रेल विद्युतीकरण पर्यावरण–अनुकूल, तीव्र और ऊर्जा–कुशल परिवहन प्रणाली प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विद्युतीकृत रेल के इन्ही लाभों के कारण भारत सरकार ने सन् 2023 तक सभी ब्राड गेज रेलमार्गो को विद्युतीकृत करने का निर्णय लिया है। हमारे नीति निर्माताओं के विजन को पूरा करने में हम सभी के द्वारा किये गये प्रयासों से इस

संगठन को ख्याति प्राप्त हो रही है। हमने वर्ष 2019–20 में 2606 रुट किलोमीटर ट्रैक को विद्युतीकृत किया है।

वर्तमान वित्त–वर्ष में कोर को 4056 रुट किलोमीटर के विद्युतीकरण का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया गया है। यह लक्ष्य इस संगठन द्वारा कठिनतम परिस्थितियों में भी लक्ष्यों को हासिल करने की क्षमता को दर्शाता है। हम वैश्चिक उद्योग–जगत की बेहतरीन कार्यप्रणालियों को अपनाकर सफलता की नई ऊचॉइयों को छूने के लिए प्रतिबद्व है। इस वर्ष अभी तक 360 रुट किलोमीटर के ट्रैक को विद्युतीकृत किया जा चुका है। सतना–कटनी के विद्युतीकरण होने से मुम्बई से हावड़ा (वाया प्रयागराज) तक विद्युत इंजनों का निर्वाध परिचालन संभव हो सका है। शिवनारायणपुर–भागलपुर के विद्युतीकृत हो जाने से हावड़ा से दिल्ली एवं मुम्बई से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए एक अतिरिक्त विद्युतीकृत रेलमार्ग मिल गया है। पालनपुर से बोटाड तक हाई राइज ओएचई को स्थापित कर अहमदाबाद प्रोजेक्ट यूनिट ने कोर का सम्मान बढ़ाया है। ऐसा होने से भारतवर्ष में पहली बार डबल–स्टैक कंटनरों वाली मालगाड़ी का परिचालन बिजली के इन्जन से सम्भव हो सका है।

इस वित्त वर्ष में जुलाई माह के अन्त तक 07 टीएसएस **एवं** 25 एसपी/एसएसपी चालू किये गये है। 16935 खम्भों के फाउण्डेशन कास्ट कर दिये गये है तथा 18342 मास्ट इरेक्शन भी हो गये है। इसी प्रकार 44 स्टेशनों तथा 18 समपार फाटकों पर विद्युतीकरण के अनुरुप सिग्नल एंव दूरसॅचार का माडिफिकेशन कार्य सम्पन्न करा दिया गया है। 29 ब्लाक इनस्ट्रूमेन्ट भी बदले गये है। प्रोजेक्ट यूनिटों में 406 मकानों, 32 डिपो, 27 टीएसएस एंव 20 टावर वैगन शेड की इमारतों का निर्माण किया गया है। आवश्यक क्लियरेन्स प्राप्त करने के लिए चार एफ.ओ.बी. की ऊॅचाई भी बढ़ाई गयी। उपर्युक्त उपलब्धियॉ हमारे अधिकारियों एंव कर्मचारियों की जबरदस्त क्षमता एंव प्रतिबद्वता को दर्शाती है।

विभिन्न जोनल रेलवे के साथ सुरक्षा मुद्दों पर तत्काल सामन्जस्य उपलब्ध कराने के लिए कोर मुख्यालय में आर.पी.एफ. द्वारा एक नियन्त्रण

कक्ष स्थापित किया गया है जो चौबीसों घंटे खुला रहता है। इससे वर्क–साइट एंव कार्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ हो गयी है। भंडार विभाग की तत्परता के कारण पिछले वित्त वर्ष में 03 गुना ज्यादा स्क्रैप का निपटान संभव हुआ है। कोर मुख्यालय एंव फील्ड यूनिटों में जेम के माध्यम से सामानों के अलावा सेवाओं की खरीद भी प्रारम्भ कर दी गयी है। कोर में राजभाषा के प्रचार–प्रसार के लिए उत्कृष्ट प्रयास किये जा रहे है।

कोर उन्नत तकनीक **एवं** नवाचारों को अपनाते हुए कार्य–संस्कृति में सुधार करके नई उपलब्धियों को हासिल करने के लिए वचनबद्व है। कैटेनरी एंव कांन्टैक्ट तारों को साथ–साथ लगाने की तकनीक से कार्य सम्पादन शीघ्र, सुरक्षित एंव कम खर्च में करना सम्भव हुआ है। **वेंडर-बेस** के बढ़ जाने से ज्यादा सामान कम समय में उपलब्ध हो सका है। इसी प्रकार के कई उपायों से रेल विद्युतीकरण की लागत में कमी लायी गई है। ई.पी.सी. टेण्डर प्रक्रिया को अपनाये जाने से रेल विद्युतीकरण का कार्य **समयबद्ध** तरीके से सम्पन्न कराना सुनिश्चित किया जा रहा है।

कोर में 850 **यूनीक** मेडिकल आइडेंटिटी कार्ड (UMID) का वितरण कर दिया गया है, जिसके द्वारा देश के किसी भी रेलवे चिकित्सालय में कर्मचारियों का इलाज करवाया जा सकता है। HRMS के लागू हो जाने से कर्मचारी–कल्याण में पारदर्शिता आयेगी और यह हमारे कर्मचारियों के सशक्तीकरण में मील का पत्थर साबित होगा। कोरोना काल में प्रोजेक्ट यूनिट एंव कोर मुख्यालय के मध्य वीडियों–**कान्फ्रेंस** की सुविधा लगायी गयी है जिससे कार्य–निष्पादन की निगरानी दूर से ही रखना संभव हुआ है।

कोरोना काल की कठिन परिस्थितियों में भी अच्छे और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए मैं मान्यता प्राप्त यूनियनों, फेडरेशन तथा एसोसिएशनों का आभारी हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि आपस में मिल कर ही हम इस कठिन समय को पीछे छोड़ पायेगे।

हमारे लिए यह गर्व का विषय है कि रीवो भी तकनीकी/व्यावसायिक **पाठ्यक्रम में** अध्ययनरत मेधावी छात्रों को नकद पुरस्कार/छात्रवृत्ति उपलब्ध कराकर कर्मचारियो तथा उनके बच्चों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

इस पावन अवसर पर हम सभी केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन को गौरवपूर्ण स्थान पर प्रतिष्ठित करने तथा नई ऊँचाईयों पर पहुँचाने के लिए प्रतिज्ञा करें ताकि अपने राष्ट्र की प्रगति एंव विकास के लिए भारतीय रेल के प्रयासों को पूरा किया जा सके। यही देश के शहीदों के लिए सच्ची श्रद्वॉजलि होगी।

जय हिन्द

15 अगस्त 2020

(यशपाल सिंह)

महाप्रबन्धक केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन/प्रयागराज